इमली

इमली का नाम हमने सांभर-दोसा खाते-खाते रखा। उस दिन मेरी माँ से खट्टा कुछ ज़्यादा ही डल गया था। खट्टी- मीठी इमली । इमली मेरी पालतू कुतिया है। उसे मैं अपनी छोटी बहन मानती हूँ। वह बहुत प्यारी है और रात के आसमान से भी काली है। रात के अँधेरे में उसकी आँखें तारों से भी ज़्यादा चमकती हैं।

जब हमारे घर मेहमान आते हैं तो इमली अपनी पूँछ को हिला-हिलाकर उनका स्वागत करती है। उसके साथ पकड़न-पकड़ाई खेलकर मुझे बहुत मज़ा आता है।

स्कूल से जब मैं वापस आती हूँ तब उसे दरवाज़े पर मेरा बेसब्री से इन्तज़ार करते देख मैं उसे ज़ोर से गले लगाती हूँ। मैं उसे अपनी सारी बातें बताती हूँ जिसे वो किसी और को नहीं बोलती। इमली मेरी एक अच्छी और भरोसेमन्द दोस्त भी है।

—चित्र व कहानीः वसुँधरा अरोरा, चौथी, नई दिल्ली

आइला

कल सुबह बारिश हो रही थी। बारिश के साथ भारी तूफान भी आया हुआ था। मेरे घर के बगल में बहुत लम्बे-चौड़े आम के दो पेड़ थे। रात को जब मैं सो गया तो मेरे पिता जगे हुए थे। रात को तूफान और तेज़ हो गया। सुबह जब मैं उठा तो मैंने देखा कि मेरे घर के बगल वाले आम के पेड़ एक-दूसरे पर गिरे हुए हैं। चारों तरफ पेड़ गिरे पड़े थे। मेरे बड़े भाई ने अखबार पढ़कर मुझे बताया कि तूफान में हज़ारों पेड़ गिर गए हैं और इस तूफान का नाम आइला है।।

—अवनीन्द्र कुमार राय, तीसरी, कोलकाता

उनकी पूरी बात

हमारे गुप्ता अंकल की आदत है कि सामने वाले की पूरी बात सुने बिना ही सवाल-जवाब करने लग जाते हैं। कल ही उन्होंने मेरे से पूछा कि तुम्हारे पापा घर पर हैं?

मैंने कहा, पापा तो "अमृत सर....।"

गुप्ता अंकल बीच में ही बोल पड़े, "क्या कहा? अमृतसर गए? अभी एक घंटा पहले तो मुझे मिले थे। इस बीच कोई ट्रेन या बस अमृतसर के लिए है ही नहीं। कार से गए हैं? किसके साथ गए हैं? कब आएँगे? मुझे....।"

"अंकल अंकल, रुकिए ज़रा। पापा अमृतसर (पंजाब) नहीं गए हैं। मेरे स्कूल के मैथ टीचर हैं अमृत सर। वे हमारी पिछली गली में रहते हैं। उनसे मेरी ट्यूशन की बात करने गए हैं। अगर आप मेरी पूरी बात सुन लेते तो आपको इतने प्रश्न नहीं करने पड़ते।"

"अगर तुम पूरी बात पहले ही बता देते तो मुझे इतना बोलना नहीं पड़ता। आगे से मुझे कुछ और बताने से पहले पूरी बात बताया करो।" वे बोले।

—अंबुज शर्मा, सातवीं, संगरिया (राज.)

कुत्ता और भालू की लड़ाई

एक भालू था। बड़ा और मोटा ताज़ा। वह कहीं घूमने गया हुआ था। वहाँ उसे एक कुत्ता मिला। वह भी मोटा ताज़ा था। वे दोनों एक-दूसरे से टकराए और टकराने की वजह से लड़ने लग गए। लड़ाई होती रही और रात हो गई। भालू ने कहा, "हम दोनों लड़ क्यों रहे हैं?" फिर कुत्ता बोला, "हाँ, हाँ, हम लड़ क्यों रहे हैं?" भालू ने कहा "अब हमें झगड़ा नहीं करना चाहिए और हम अब दोस्त बनकर रहेंगे।"

— रिद्म, तीसरी, जयपुर, राजस्थान

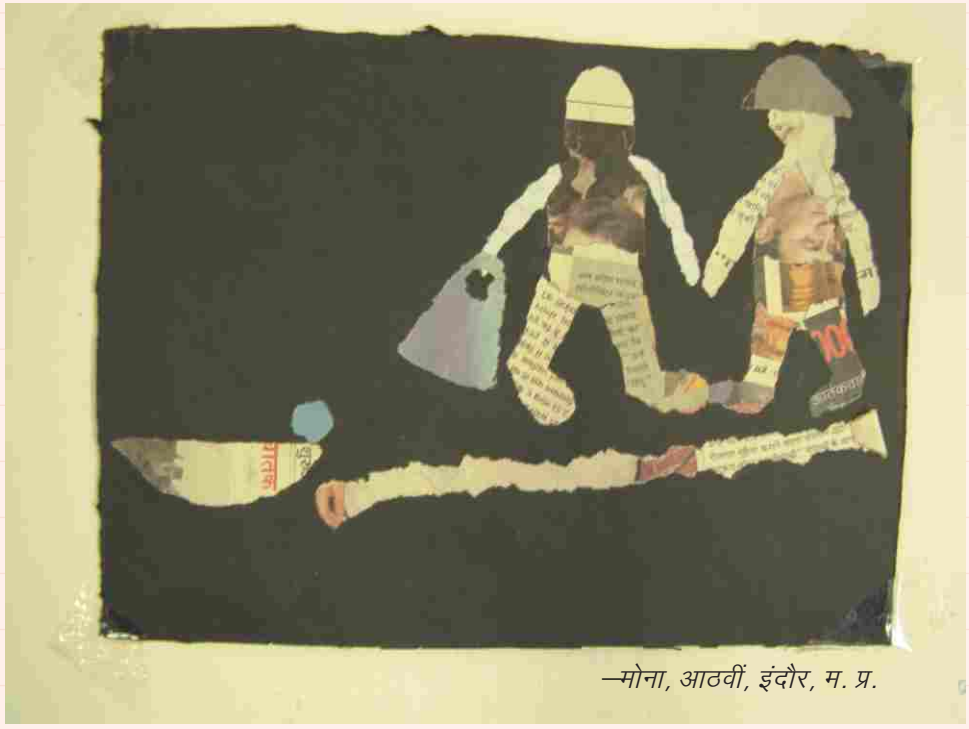

—मोना, आठवीं, इंदौर, म. प्र.

—आरुषि मार्तंड, छठी, भोपाल, म. प्र.

बागीचा

एक अँगूठे ने कहा, "चलो बाग में चले चलो।" बाग में चले तो दूसरे ने कहा, "हम पेड़ पे चढ़ेंगे। हाँ, पेड़ पे चढ़ेंगे।" तो तीसरे ने कहा, "हम आम तोड़ेंगे। हाँ, आम तोड़ेंगे।" फिर चौथे ने कहा, "हम गिर जाएँगे।" फिर पाँचवे ने कहा, "हम नहीं जाएँगे। हम नहीं जाएँगे।"

—अदिति मुकुन्द, चौथी, ऑर्किड स्कूल, पुणे

बकरी

बकरी बहन बकरी बहन
पाठिया हमको देदो ना
पाठिया को हम पालेंगे
दूध उसको खिलाएँ
पाठिया मै मै करेगी
बड़ा मज़ा आएगा
बकरी बहन बकरी बहन

—रजत सिंह, मैचून, उत्तराखण्ड